EDII

Navduniya Pratinidhi - Bhopal

15 December, 2021

प्रदेश में 7500 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को दिया बढ़ावा

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सीलेंस) के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआइआइ) मध्य प्रदेश में 7500 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दे चुका है। इसके साथ ही एसआरएलएम के साथ मिलकर ग्रामीण उद्यमिता के विकास के लिए एसवीईपी परियोजना के तहत डिंडौरी, बड़वानी, श्योरपुर, शहडोल, सीधी, मंडला, बालाघाट, आलीराजपुर और झाबुआ जिलों में स्टार्टअप विलेज कार्यक्रम लागू कर रहा है।

ईडीआइआइ के गुजरात से आए महानिदेशक डा. सुनील शुक्ल ने बताया कि हमने मप्र कौशल विकास मिशन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर और राज्य सरकार गज कई अन्य प्रमुख संस्थानों गज साथ एमओयू किया है, जिससे राज्य में फिनटेक, एडुटेक, क्लीनटेक, हेल्थटेक, बायोटेक आदि जैसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र उद्यमिता के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। ईडीआइआइ वर्ष 1983 से देश में उद्यमिता के क्षेत्र में विकास के लिए कार्यरत है। वर्ष 1008 से हम आंत्रप्रेन्योरशिप में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के साथ एजुकेशन के क्षेत्र में पदार्पण किया और आज हमारा सक्सेस रेट 78 फीसदी से ज्यादा है। हालाकि उन्होंने माना कि 100 में से 85 स्टार्टअप विभिन्न कारणों से बंद जाते हैं। इसका मुख्य कारण युवा टेक्नोक्रेट्स का आंत्रप्रेन्योरशिप के प्रति माइंडसेट, फिजिबिलिटी, क्रेडिट लिंकेज, प्रोटोटाइप की कमी आदि है। वहीं दूसरी ओर देश में आज 75 यूनिकार्न स्टार्टअप हैं जिनमें से तीन डेका कार्न हैं। उन्होंने कहा कि मप्र में एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में विकास की काफी संभावनाएं मौजूद हैं। इस मौके पर ईडीआइआइ के तरुण बेदी सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।